सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन

पटपडगंज,दिल्ली - ११००९२

सत्र :- २०२५-२६

कक्षा:-7	**विषय: हिंदी पाठ्य पुस्तक**	**पाठ:4 (मुतांदी)**

मौखिक कौशल

1. राजा साहब का वास्तविक नाम खंडासामी चितीयार था।

2. शंकरन राजा साहब का बेटा था।

3. शंकरन की पत्नी का नाम राधा था।

4. मुतांदी ने शंकरन के बेटे के लिए सोने के दो कड़े लेकर आया था।

लिखित कौशल

1.(क) राजा साहब ने अपने बेटे का पालन-पोषण बड़े लाड़-प्यार से किया था।

(ख) मुतांदी राजा साहब का रसोइया था।

(ग) मुतांदी शंकरन को अपने कंधों पर बैठाकर गाँव भर में घुमाता था। उसे अपने हाथों से दाल-भात खिलाता। शंकरन की देखभाल वह अपनी संतान की तरह करता था।

(घ) मुतांदी ने मुनीम जी से मिली रकम से अपने गाँव में घर और जमीन खरीद ली।

(ङ) मुतांदी का वेतन बढ़ाए जाने वाली बात राधा को पसंद न आई। उसने शंकरन से कहा था कि इसमें वेतन बढ़ाने की क्या बात है? हम दो ही तो लोग हैं। घर का काम थोड़े ही बढ़ गया है जो उनका वेतन बढ़ाया जाए।

(च) राधा मुतांदी के घर छोड़कर चले जाने से प्रसन्न हो रही थी।

(छ) मुतांदी शंकरन के घर उत्सव पर आया था। उसने सोने के दो कड़े राधा को देते हुए कहा, "बहू ! ये मेरे पोते के लिए हैं। इन्हें इसे पहना देता।" इतना कहकर मुतांदी बाहर की ओर निकल पड़ा। यह सब देखकर राधा की आँखें भर आई थीं।

3. (क) शंकरन ने राधा से कहा क्योंकि वह मुतांदी का वेतन बढ़ाने पर विरोध कर रही थी।

(ख) मुतांदी ने शंकरन से कहा, क्योंकि शंकरन उन्हें गाँव भेजना चाहता था।

(ग) राधा ने शंकरन से कहा, क्योंकि मुतांदी बिना कुछ खाए जा रहा था।

मूल्यपरक उत्तर

1. इन पक्तियों से राजा साहब के बारे में यह पता चलता है के वे अपने नौकर को भी अपने परिवार का अभिन्न अंग मानते थे तथा उससे प्रेमपूर्वक व्यवहार करते थे। उनका यह स्वभाव उनके व्यक्तित्व की उदारता को प्रकट करता है।

2. राधा के व्यवहार में आया बदलाव यह दिखाता है कि कोई भी इनसान बुरा नहीं होता। जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके मन में किसी के प्रति उत्पन्न बदले की भावना समाप्त होती जाती है।